बिहार के कोषी क्षेत्र में पानी में लोह तत्व की अधिकता है। प्रायः

चापाकल के जल में शी कमोवेष आयरन है। इससे लोगों को कई समस्याएं झेलनी पड़ती है। इससे मुक्ति हेतु पुराने समय में स्थानीय संसाधनों से आयरन षुद्धिकरण किया जाता था। लेकिन कालान्तर में बदलती जीवन पद्धति में परम्परागत ज्ञान और जीवन पद्धति में बदलाव लाया। कोषी क्षेत्र में परम्परागत विधि से कई ढ़ग से आयरन शुद्ध करने के प्रयास किये जाते थे। मेध पईन अभियान ने जब बिहार के सुपौल जिलान्तर्गत सुपौल प्रखंड के 5 पंचायतों में जल मुद्दे पर कार्य आरंभ किया तब जल संबंधी एक बड़ी समस्या आयरनयुक्त पानी था। 2005 से अभियान ग्राम्यषील की अगुवाई में इस दिषा में सम्स्या के निदान हेतु सोचना आरंभ किया। ग्राम्यषील की यह सोच थी कि परम्परागत ज्ञान व हुनर के आधार पर इस दिषा में पहल किये जायं । इसी दौरान परम्परागत आयरन षुद्धीकरण प्रकिया को नये रुप में परिवर्त्तित किया गया। स्थानीय संसाधन ,हुनर आधारित मटका फिल्टर नामक आयरन षुद्धिकरण उपकरण विकसित किया गया। लेकिन जमीनी स्तर पर प्रचार व व्यवहार आसान नहीं है। इसी संदर्भ में सुपौल प्रंखंड अंतर्गत पिपराखुर्द पंचायत के परसा गांव में अमठो टोला का एक भाग नरहा टोला कहलाता है। मेघ पाईन अभियान के दूसरे चरण जो 2007 से आरम्भ हुआ पंचायत के सभी टोले में गतिविधियां हुई। लेकिन नरहा टोला के लोग अभियान की बात सुनने तक तैयार नही थे। इसका मुख्य कारण अभियान के प्रति अरुचि, लोगों का आपसी विवाद व झगड़ा था। टोला के बगल में एक नवसृजित विद्यालय है जहां ग्राम्यषील कार्यकर्त्ता द्वारा मटका फिल्टर 2008 में लगाया गया। अभियान द्वारा कुआं के महत्व पर जागरुता लाने के उपरान्त नरहा के रामकिसुन साह के आग्रह पर फरवरी 09 में कुआं की उड़ाही हुई। ग्राम्यषील कार्यकत्ता के समक्ष नरहा गांव से संपर्क व गतिविधियां आरंभ करना एक चुनौती था। संयोग वष उसी टोला के 35 वर्षीय सीता देवी पति सत्यनारायण साह ने ग्राम्यषील कार्यकर्ता के समझाने पर स्वंय के साधन से मटका फिल्टर लगाया। सीता देवी अपने मिलनसार व मृदुल व्यवहार से ग्राम्यषील कार्यकर्त्ता को लेकर अपने गांव गई। जिस गांव में समझाने पर भी एक शी लोग बात सुनने को

तैयार नहीं थे। उस गांव में 50 से 60 लोगों को इकठे देखकर ग्राम्यषील कार्यकर्त्ता चकित थे। सीता देवी ने उसी नरहा वासियों को मटका फिल्टर के बारे में लोगों को समझाया। जल विकास समिति गठित की गई। सीता देवी समिति की अध्यक्षा है। आज सीता देवी की अगवाई में नरहा के प्रायः घरों में मटका फिल्टर का व्यवहार हो रहा है। लोग आयरन मुक्त पानी पीकर इससें होने वाले लाभों का गुणगान करते हुए नहीं थकते।

वीणा एवं सुमित
क्षेत्र सहायक
मेघ पानि अभियान
ग्राम्यषील, सुपौल